नर्मदा नदी के किनारे रामगढ़ की ~~पहाड़ि~~.
पहाड़ियों ~~स~~ में स्थित यह एक प्राकृतिक
गुफा है जिसके निकट तीन गुफाएँ
सीता बेंगरा, सीता लाहड़ा तथा लक्ष्मण
बेंगरा है। इनकी छतों पर सफेद
पृष्ठभूमि में लाल व काले रंग की
सीमाओं से चित्र बने हैं। चित्रों में
मनुष्य, पशु, पक्षी, बगीचे एवं नृत्य
का परिदृश्य है।

(5) <u>बौद्धकालीन कला</u> (50 ई० से 700 ई० तक)

बौद्ध काल को भारतीय कला का
स्वर्णयुग कहा जाता है। भित्ति चित्रों
की इतनी अधिक संख्या अन्यत्र कहीं
नहीं मिलती है। बौद्ध चित्र शैली
के मुख्य तीन स्थल पाए जाते हैं—
अजंता की गुफाएं, बाघ की गुफाएँ
और सिंगीरिया की गुफाएं।

(1) अजंता की गुफाएँ — महाराष्ट्र में
औरंगाबाद से 68 कि०मी० दूर तथा
पहूर से 8 मील की दूरी पर
ऊँची पहाड़ियों में अजंता की गुफाएँ हैं

300 फीट ऊँची पहाड़ी को काटकर गुफाओं का निर्माण किया गया है। ये संख्या में 29 थी, जिनमें से मात्र 6 शेष हैं — 1, 2, 9, 10, 16 और 17। इनमें से सोलहवीं और सत्रहवीं गुफा के चित्र अद्वितीय हैं और कलाकृति की संपूर्णता के रूप में विश्वप्रसिद्ध हैं। सभी गुफा चित्रों का मुख्य विषय भगवान बुद्ध, उनका जीवन और कार्य है। चित्र जातक कथाओं पर आधारित हैं। चित्रों का रेखा सौष्ठव, रंग विधान, मुद्राएँ, भाव व्यंजना और अलंकारिता अत्यंत उच्च कोटि की है। इनमें कला के ~~सम~~ संपूर्ण तत्वों का समावेश है। षडांग का पूर्ण पालन किया गया है। किन्तु कुछ चित्रों पर चित्रकारों के नाम नहीं हैं।

(2) बाघ की गुफाएँ — मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में विंध्या पर्वत की श्रृंखलाओं में बाघ नदी के किनारे ये गुफाएँ स्थित हैं। यह संख्या में 9 हैं, जिनमें 7, 8, 9

ध्वस्त हो चुकी हैं। चौथी और पाँचवी गुफाओं के बरामदे में बने चित्र अत्यधिक आकर्षण हैं। चित्रों के विषय मनुष्य, गायन, नृत्य, हाथी व घोड़ों पर सवार व्यक्ति, बुद्ध उपदेश करते हुए तथा स्त्रियाँ आदि हैं। चित्रों में पीला, नीला, लाल और विरोधी रंगों का प्रयोग किया गया है। प्रकृति और पशु चित्रण आकर्षक है।

(3) सिंगीरिया की गुफाएँ - श्रीलंका में सिंगारिया का भित्ति चित्रण दो विशाल गुफाओं में है जिनमें कुल 22 चित्र हैं। चित्रों का विषय केवल नारियाँ हैं। नारी - चित्रण ~~मन~~ मनमोहक और भावपूर्ण है, जैसे - देव बालाएँ वाद्य यंत्र लिए पूजा करने निकली हैं। चित्रों का रंग विधान उत्तम है।

(च) मध्यकालीन कला (700 ई० से 1500 ई० तक)
पूर्व मध्यकाल (700 ई० से 1000 ई० तक) की कलाओं में बादामी गुफा,